फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 62 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 2 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro



Duryodhana Meets Trump

"I alone can fix it." (Donald Trump, accepting the Republican nomination, July 2016)

The Inspiration Behind Mowgli

A Jewel from Tipu Sultan's Lost Throne

The bird's significance extends beyond its beauty. In Persian mythology, the Huma is a celestial bird of fortune and happiness

फ्लाई दुबई की फ्लाइट का सऊदी अरब में सुरक्षित उतरना, एक चमत्कार ही है

हवाई जहाज 30 सैकण्ड में बीस हजार फुट गिर रहा था, यह अपने आप में पर्याप्त दबाव बनाता है हवाई जहाज के एयरफ्रेम पर, उसे दो हिस्सों में तोड़ने के लिए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। पश्चिमी देशों के एविएशन जगत में इस बात पर सवाल उठने लगे हैं कि ओमान के एक नागरिक को संयुक्त अरब अमीरात के दुबई से इज़रायल के तेल अवीव जाने वाली उड़ान में सवार होने की अनुमति कैसे दी गई। ऐसी सुरक्षा चूक के कारण 9/11 जैसे विमान हादसे की स्थिति पैदा हो सकती थी।

ग्लोबल मीडिया में, खासकर पश्चिमी यूरोप और अमेरिका में, फ्लाई दुबई की उस उड़ान की सुरक्षा को लेकर चर्चाएं हो रही हैं, जो लगभग दुर्घटनाग्रस्त होने ही वाली थी। उड़ान के बीच में सह-पायलट ने विमान के कप्तान, जो एक भारतीय नागरिक थे, पर चाकू से हमला कर दिया। ऐसा लगता है कि उसका मकसद विमान को किसी दूसरी जगह ले जाना या उसे क्रैश करना था।

अच्छी बात यह रही कि कप्तान किसी तरह कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफल हो गये। इससे विमान में मौजूद यात्री कॉकपिट में जा सके और उन्होंने सह-पायलट को काबू में कर लिया। सौभाग्य से, विमान के यात्रियों में कुछ अन्य पायलट भी मौजूद थे। उन्होंने विमान को सुरक्षित रूप से पास के सऊदी अरब के एक हवाई अड्डे पर उतार दिया।

तथापि, तकनीकी रूप से यह बाल-बाल बचने का मामला था। विमान की बनावट इतनी मजबूत होती है कि जिस ऊंचाई और गति पर विमान उड़ते हैं, उस दौरान पड़ने वाले सामान्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- 9/11 की घटना के बाद, कॉकपिट के दरवाजे इतने मजबूत बनाये जाते हैं कि कोई भी यात्री बाहर से दरवाजा खोल कर कॉकपिट में प्रवेश नहीं पा सकता।
- अतः भारतीय पायलट स्मिथ मच्छार ने लहु-लुहान होते हुए भी कॉकपिट का दरवाजा अंदर से खोला और यात्रियों ने कॉकपिट में पहुँच कर ओमानी को-पायलट पर काबू पाया था।
- जानकार उड्डयन विशेषज्ञों को जब पूरा घटनाक्रम समझाया गया तो सभी ने इस निर्णय को बहुत अकलमंदी पूर्ण बताया कि हवाई जहाज को सऊदी अरब में पास के हवाई अड्डे पर उतारने का निर्णय लिया गया, क्योंकि जिस हालत में हवाई जहाज था, वह किसी भी लंबी उड़ान भरने की स्थिति में नहीं था।
- क्योंकि, सऊदी अरब व इज़रायल के बीच कोई "मैत्रीपूर्ण" संबंध नहीं है। यह निर्णय पायलट स्तर पर लिया गया, जो काबिल-ए-तारीफ फैसला था, जिसने हवाई जहाज को बचा दिया।

नर्सिंग ट्यूटर का शव होटल के कमरे में मिला

जयपुर, अक्टूबर। बजाज नगर क्षेत्र में टोंक रोड पर गांधीनगर रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान कोटपूतली-बहरोड़ के विराटनगर निवासी प्रकाश खींची (32) के रूप में हुई है, जो एमएससी नर्सिंग का छात्र होने

- वकीलों ने हत्या की आशंका जताते हुए थाने के बाहर प्रदर्शन किया।

के साथ, नर्सिंग स्टूडेंट्स को ट्यूशन भी पढ़ ाता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद, मृतक के परिजनों और वकीलों ने हत्या की आशंका जताते हुए गुरुवार सुबह बजाज नगर थाने के बाहर रास्ता जाम कर जमकर नारेबाजी की और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए।

पुलिस के अनुसार, प्रकाश आगरा से दो दिन पहले ही जयपुर आया था और ब्लू शाइन होटल में कमरा किराए पर लेकर ठहरा हुआ था। बुधवार शाम को कमरे से उसकी डेड बॉडी बरामद की गई। शव के हाथ में कैनुला लगा हुआ था और ड्रिप चढ़ रही थी। मौके से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है।

राजस्थान हाईकोर्ट में वकालत कर रहे मृतक के भाई विक्रम सिंह खींची ने पुलिस में दी शिकायत में आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने प्रकाश को बड़े सपने दिखाकर नौकरी दिलाने के नाम पर मोटी रकम ऐंठ ली थी। जब उसने अपने पैसे वापस मांगे, तो साजिश के तहत उसकी हत्या कर दी गई और मामले को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी "इंडिया ब्लॉक" की प्रेस कॉन्फ्रैंस में अचानक पहुँचीं

उनके अप्रत्याशित आगमन से काफी अफरा-तफरी मची, कौन कहाँ बैठेगा के सवाल पर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। बुधवार को दिल्ली में विपक्षी गठबंधन इंडिया की एक बड़ी बैठक में देशभर की अलग-अलग पार्टियों के नेता शामिल हुए।

बैठक के अंदर सब कुछ व्यवस्थित था। बैठने की व्यवस्था पहले से तय थी और एक बड़े आयताकार सेटअप के चारों ओर कुर्सियां लगाई गई थीं। बैठक की कार्यवाही भी सुचारू रूप से चल रही थी। जब प्रेस कॉन्फ्रैंस शुरू हुई, उस समय सभी नेताओं के नाम की प्लेटें भी अपनी जगह पर लगी हुई थीं।

तथापि, सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी अचानक वहां पहुंच गईं। किसी को उनके आने की उम्मीद नहीं थी। उनके आने के बाद बैठने की व्यवस्था को लेकर थोड़ी हलचल मच गई। आमतौर पर बैठने की व्यवस्था, जिसमें कुछ नेता आगे की कतार में और कुछ पीछे बैठते हैं, आपसी सम्मान सुनिश्चित करने के लिए बनाई जाती है।

सूत्रों के अनुसार, जिन पार्टियों के पास कम सांसद हैं, उनके नेता आमतौर पर पीछे बैठते हैं, जबकि मौजूदा या पूर्व मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आगे की पंक्ति में बैठते हैं।

प्रेस कॉन्फ्रैंस हॉल में कुर्सियां इस तरह लगाई गई थीं कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कुर्सी मंच के बीच में थी। उनके एक तरफ राहुल गांधी और दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव की कुर्सी थी। उनके बगल में तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी और सीपीएम के महासचिव एमए बेबी बैठे थे।

कार्यक्रम शुरू होने से पहले कांग्रेस के कई नेताओं और तृणमूल कांग्रेस के नेता डैरेक ओ'ब्रायन ने बैठने की व्यवस्था का जायजा लिया था। लेकिन सम्मेलन शुरू होने से ठीक पहले सोनिया गांधी पहुंच गईं और उनकी मौजूदगी से सभी लोग अचानक चौंक गए।

सूत्रों के अनुसार, उनके लिए कहीं भी कोई नेमप्लेट नहीं लगी थी।

ममता बनर्जी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले, सोनिया गांधी के लिए तय सीट ढूंढने लगीं। सभी ने उन्हें राहुल गांधी की सीट पर बैठने का इशारा किया। तथापि, सोनिया गांधी तेजस्वी यादव की कुर्सी पर बैठ गईं।

तभी खड़गे हॉल में आए और उन्होंने अपने बगल में एक सीट लगाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सभी सदस्यों के लिए, उनके पद व रूतबे के अनुसार नेमप्लेट लगाकर काफी विस्तृत "सीटिंग अरेंजमैंट" किया गया था।
- ममता बनर्जी, सुप्रिया सुले ने सोनिया गांधी के लिए कुर्सी की काफी तलाश की, पर, कोई कुर्सी न मिलने के कारण, सोनिया गांधी, तेजस्वी यादव की सीट पर बैठीं और कार्यवाही शुरु हुई।

'भारतीय पायलट स्मिथ मच्छार की हालत काफी गंभीर थी'

मूसाएव शोता, वैसे तो एक डेन्टिस्ट हैं, पर, क्योंकि फ्लाइट में और कोई डॉक्टर नहीं था, उनको ही भारतीय पायलट को बचाने की जिम्मेवारी निभानी पड़ी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। फ्लाईदुबई फ़्लाइट के भारतीय पायलट स्मित मच्छार को उनके को-पायलट ने चाकू मार दिया था, जिससे उनका बहुत ज़्यादा खून बह रहा था और वे बेहोश हो रहे थे। फिर भी, उन्होंने कॉकपिट का दरवाज़ा खोला और प्लेन में सवार 174 लोगों की जान बचाई। यह बात प्लेन में सवार एक इज़राइली डेंटिस्ट ने बताई।

कैप्टन मच्छार को सऊदी अरब से दुबई के अस्पताल एयरलिफ़्ट किया जा रहा है।

पेशे से डेंटिस्ट मूसाएव शोता उन चार यात्रियों में से एक थे, जो फ़्लाइट एफ ज़ैड 1073 में सबसे पहले कॉकपिट की ओर दौड़े थे, जब ओमान के को-पायलट ने कथित तौर पर प्लेन को क्रैश करने की कोशिश की थी। संदिग्ध हमलावर को काबू में करने और रोकने में मदद करने के बाद, शोता ही वह पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने मच्छार का इलाज किया और उन्हें इमरजेंसी मेडिकल ट्रीटमेंट दिया, जिससे उनकी जान बचाने में मदद मिली।

इज़रायली मीडिया आउटलेट "वायनैट" से बात करते हुए, शोता ने उन डरावने पलों को याद किया और कहा, "मैंने इंतज़ार नहीं किया। मैंने देखा कि कुछ गड़बड़ है और मैं दौड़ पड़ा।"

उन्होंने बताया कि मच्छार "बहुत बुरी हालत में थे, उनके सिर और हाथों से बहुत ज़्यादा खून बह रहा था।"

उन्होंने कहा, "मैं प्लेन में अकेला डॉक्टर था। मैं खून बहने से रोकने में कामयाब रहा, लैंडिंग से कुछ देर पहले तक पायलट की हालत काफ़ी स्थिर थी, लेकिन फिर उनकी हालत थोड़ी बिगड़ गई।" शोता ने सी.एन.एन. को बताया कि पायलट के शरीर पर कई जगह कट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मूसाएव शोता के अनुसार, भारतीय पायलट के सिर व हाथों पर भारी चोट लगी थी तथा को-पायलट के वार से उनके हाथ, एकदम खुल से गए थे तथा बाकी शरीर से अलग होने की स्थिति में थे।

'सत्य, अहिंसा व सादगी को जीवन में उतारने का संकल्प लें'

जयपुर, 1 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती (2 अक्टूबर) पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, त्याग और सत्याग्रह के माध्यम से देश को स्वतंत्रता

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने गांधी जयंती व शास्त्री जयंती पर शुभकामनाएं दीं।

की राह दिखाई। उनका जीवन और विचार आज भी पूरी मानवता के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। गांधीजी ने स्वच्छता, स्वदेशी, ग्राम स्वराज और आत्मनिर्भरता के माध्यम से सशक्त एवं स्वावलंबी भारत का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जीवन सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की मिसाल है।

पंजाब का प्रभारी नियुक्त होने के बाद, अब सचिन ने अपनी रिपोर्ट दी हाईकमान को

प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने अपना इस्तीफा दिया और कहा, हाईकमान ने जिम्मेवारी दी थी और अब किसी और को मौका देने की सोची है, अतः मुझे कोई आपत्ति नहीं है

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। पद संभालने के कुछ ही समय बाद सचिन पायलट ने पंजाब में पार्टी संगठन में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों को मद्देनजर रखते हुए उठाया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने इस्तीफा दे दिया है। माना जा रहा है कि यह कदम राज्य कांग्रेस में लगातार चल रही गुटबाजी, खासकर पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के खेमे के साथ चल रही खींचतान को कम करने के मकसद से उठाया गया है। कहा जा रहा है कि आपसी कलह और नेतृत्व के काम-काज पर पायलट की रिपोर्ट ने इस बदलाव का रास्ता साफ करने में अहम भूमिका निभाई है। पूर्व मंत्री, कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य और राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले विजय इंदर सिंगला इस पद के लिए सबसे आगे चल रहे हैं, जबकि परगट सिंह और सुखजिंदर सिंह रंधावा के नाम भी इस पद की दौड़ में हैं।

चुनाव से पहले हुए इस बदलाव से कांग्रेस का यह संकल्प झलकता है कि वह सार्वजनिक रूप से दिख रही अव्यवस्था को कम करेगी और सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को एकजुट होकर चुनौती देगी। पंजाब की राजनीति सत्ता के कई केन्द्रों और समुदाय आधारित समीकरणों से तय होती है।

ध्रुवीकरण में विश्वास रखने वाले प्रदेश अध्यक्ष को बदलने का मकसद पार्टी यूनिट में स्थिरता लाना, उम्मीदवारों के चयन और चुनावी संदेश में बेहतर तालमेल बनाना और आंतरिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विजय इंदर सिंगला नया प्रदेशाध्यक्ष बनने की स्पर्धा में सबसे आगे हैं। अन्य प्रतिस्पर्धी हैं, परगत सिंह, सुखजिंदर सिंह रंधावा।
- एक जाट सिख को प्रदेशाध्यक्ष न बनाकर, कांग्रेस इस परंपरा को तोड़ना चाहती है कि जो प्रदेशाध्यक्ष बनेगा, वह ही भावी मु.मंत्री का सबसे सशक्त चेहरा है।
- कांग्रेस ने गैर जाट सिख को प्रदेशाध्यक्ष बनाकर इस संभावना को मजबूत किया है कि जाट-सिख को मु.मंत्री बनाने की प्रबल संभावना है तथा चुनाव जीतने के बाद, यह निर्णय होगा कि कौन जाट सिख मु.मंत्री बने।
- इससे सभी जाट सिख नेता मन लगाकर पार्टी को जीताने का प्रयास करेंगे।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़े

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर। त्योहारी सीजन से ठीक पहले गुरूवार को, कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में उछाल दर्ज की गई है। तेल-गैस का कारोबार करने वाली कंपनियों ने दाम 60-70 रुपये से अधिक बढ़ ाए

- तेल कंपनियों ने दाम में 60 से 70 रुपये की वृद्धि की।

हैं। महंगे हुए 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलिंडर की नई कीमतें अलग-अलग शहरों में टैक्स के मुताबिक भिन्न रहती हैं। ऐसे में आज हुई कीमतों में बढ़ ोतरी के बाद भी नई दरें अलग-अलग होंगी। घरेलू गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले सिलिंडर की कीमत में 62.50 रुपये की वृद्धि हुई है। दिल्ली में नई कीमत 2,810 रुपये हो गई है। त्योहारी सीजन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब की दुविधा, नया प्रदेशाध्यक्ष, लेटर हैड तो बदल सकता है.....

पर, नया प्रदेशाध्यक्ष, पार्टी में सालों से सक्रिय खेमों को, इतनी आसानी से खत्म नहीं कर पाएगा

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में विरोधी गुटों को एकजुट करने की कोशिश में, अपने पंजाब प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की जगह विजय इंदर सिंगला को लाने की तैयारी में है।

जाट की जगह हिंदू नेता को लाने से दिल्ली के राजनीतिक समीकरण तो बदल सकते हैं, लेकिन पंजाब में इसका उल्टा असर हो सकता है। सिख मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग इस फैसले से खुद को अलग-थलग महसूस कर सकता है।

पंजाब प्रदेश अध्यक्ष के पद के लिए संभावित नामों की सूची में सिंगला सबसे आगे हैं। इस सूची में परगट सिंह, सुखजिंदर सिंह रंधावा और यहां तक कि प्रताप सिंह बाजवा के नाम भी शामिल हैं।

पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा के बीच, अब दिल्ली में पार्टी की बैठकों में एक सवाल सबसे अहम हो गया है: जाट चेहरे की जगह हिंदू चेहरे को लाना क्या बड़ा राजनीतिक दांव साबित होगा या इससे गुटबाजी की एक और नई लहर शुरू हो जाएगी?

सचिन पायलट ने करीब तीन सप्ताह तक वरिष्ठ नेताओं, सांसदों, विधायकों और संगठन के कार्यकर्ताओं से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को सौंपी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट में वड़िंग को लेकर पार्टी के अंदर मौजूद असंतोष का जिक्र किया गया है।

- जैसा कि, पुराने राजनीतिक जानकारों ने कहा, प्रभारी के सामने तो सभी मुस्काने बिखरते नज़र आते हैं, पर, जैसे ही प्रभारी की पीठ मुड़े, फिर वह ही "ढाक के तीन पात" और एक-दूसरे का गला काटने को तत्पर।

वड़िंग सार्वजनिक रूप से सावधानी से बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि उन्हें पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद का कोई खास लोभ नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि हाई कमान ने उन्हें यह जिम्मेदारी दी थी। अगर हाई कमान किसी और को जिम्मेदारी देना चाहता है, तो वह पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। यानी उन्होंने सार्वजनिक रूप से किसी तरह का टकराव पैदा नहीं किया है। फिर भी, अगर उनके समर्थकों को लगता है कि उनके समुदाय को नजरअंदाज किया जा रहा है, तो वे चुप नहीं रह सकते।

अगर कांग्रेस राजा वड़िंग की जगह विजय इंदर सिंगला को लाती है, तो वह इसे "हिंदू चेहरे" के रूप में पेश करेगी। इस लेबल के राजनीतिक मायने हैं। पंजाब में जाट सिखों का नेटवर्क आज भी ग्रामीण संगठन, किसान राजनीति और कई जिला इकाइयों को प्रभावित करता है। इसलिए अचानक बदलाव से ऐसा संदेश जा सकता है कि जाट नेतृत्व को हटाया जा सकता है।

पंजाब में सिख आबादी करीब 58 प्रतिशत है और ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी संख्या बहुमत में है। दो बड़े सामाजिक समूह आज भी सत्ता के समीकरण को प्रभावित करते हैं। जाट सिख करीब 20 से 22 प्रतिशत हैं। वे जमीन, गांव के नेतृत्व और राज्य की राजनीति के बड़े हिस्से पर प्रभाव रखते हैं और राज्य के अधिकांश मुख्यमंत्री इसी समुदाय से रहे हैं। अनुसूचित जातियां करीब 32 प्रतिशत हैं, जो किसी भी भारतीय राज्य में सबसे बड़ा हिस्सा हैं। वे खासकर दोआबा क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। हिंदू आबादी लगभग 38 से 40 प्रतिशत है और शहरों में उसका प्रभाव अधिक है। इसलिए ग्रामीण पंजाब में सिखों का दबदबा है, जबकि कई शहरी सीटों पर हिंदू महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सभी मिलकर, न कि कोई एक समुदाय, पंजाब के मतदाताओं की पसंद तय करते हैं।

सिंगला को आगे बढ़ाना इस शहरी और अर्ध-शहरी मतदाता आधार को मजबूत करने की एक सोची-समझी कोशिश होगी। इसके अलावा, इससे यह संदेश भी जाएगा कि कांग्रेस केवल पुराने सिख गुटों के बीच ही राजनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश नहीं कर रही है। ऐसी पार्टी के लिए, जिसने आम आदमी पार्टी के कारण अपना आधार खोया है और जिसे शहरों में भारतीय जनता पार्टी के मजबूत होते अभियान का सामना करना पड़ रहा है, उसके लिए यह संदेश तर्क संगत हो सकता है।

लेकिन किसी रणनीति का तार्किक होना और उसका सफलतापूर्वक लागू होना एक ही बात नहीं है। पंजाब कांग्रेस का हिंदू प्रदेश अध्यक्ष अपने स्तर पर हिंदू वोटों को कांग्रेस की ओर नहीं ला सकता, अगर स्थानीय संगठन बंटा हुआ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री शिवकुमार चुनाव आयोग के खिलाफ धरने पर बैठे

बेंगलुरु, 01 अक्टूबर। केन्द्रीय चुनाव आयोग में आंतरिक मतभेद और एसआईआर के मुद्दे पर सीईसी ज्ञानेश कुमार की घेराबंदी के बीच, गुरुवार को कर्नाटक में हाईवोल्टेज ड्रामा सामने

- वे विधायकों व मंत्रियों के साथ आयोग के कार्यालय पहुंचे, मुद्दा उठाया और धरने पर बैठे।

आया है। राज्य के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार विधायकों और मंत्रियों के साथ कर्नाटक राज्य चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचे और फार्म 7 का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग होने और धोखाधड़ी का मुद्दा उठाया। इसके बाद, डीके शिवकुमार मंत्रियों और विधायकों के साथ धरने पर बैठ गए।

सीएम डीके शिवकुमार और कांग्रेस का आरोप है कि विपक्षी दल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)